न्यूज डायरी

जर्मनी में अकेलेपन में जीने को मजबूर थाइलैंड के राजकुमार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। थाइलैंड के राजकुमार जर्मनी में अपने पिता से दूर जेल जैसी स्थिति में बिल्कुल अलग–थलग रह रहे हैं जहां से उन्हें बाहर निकलने की आजादी नहीं है। राजकुमार जिपांगकोर्न रश्मिजोति (15) एक बंगले में रहते हैं जहां उनके साथ दो दर्जन नौकर हैं, जबकि पिता महा वाजिरालॉन्गकोर्न (67) ने उनसे दूर एक होटल में सेल्फ आइसोलेट कर लिया है जिसमें उनकी सेक्स स्लेव्स भी रहती हैं। जर्मनी के अखबार बिल्ड के मुताबिक, उनकी सेक्स सोल्जर्स को मिलिटरी यूनिट के रूप में रखा गया है जिसे ै बुलाया जाता है। राजकुमार का जन्म 29 अप्रैल 2005 को हुआ था। उसकी मां राजकुमारी श्रीरश्मि (48) राजा की तीसरी पत्नी हैं और 2014 में उन्होंने राजा से तलाक ले लिया था। उन्हें तलाक के बाद राजा की तरफ से 40 करोड़ डॉलर मिली थी लेकिन बेटे की कस्टडी नहीं मिली।

कोरोना वायरस से जंग में सुरक्षित मानी गई चीन की वैक्सीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। कोरोना वायरस से जंग लड़ रही दुनिया के लिए अच्छी खबर है। चीन की कोरोना वायरस वैक्सीन एडी5 का 108 वॉलंटिअर्स पर इंसानी परीक्षण अब पूरा हो गया है। विशेषज्ञों पर इस वैक्सीन ने इंसान के अंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुरक्षित तरीके से बढ़ाया लेकिन यह कोविड–19 वायरस को पूरी तरह से खत्म नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि मरीजों के अंदर एंटीबॉडी पैदा होना एक अच्छा संकेत है। विशेषज्ञों ने कहा कि परीक्षण से यह साबित हुआ है कि यह चीनी वैक्सीन संक्रमण से बचा सकती है लेकिन निश्चित रूप से कहना अभी जल्दीबाजी होगी। चीन की इस वैक्सीन को कैंसिनो ने बनाया है। इस साल की शुरुआत में इस वैक्सीन का परीक्षण शुरू हुआ था। इस कंपनी ने ब्रिटेन के ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी और अमेरिका के मोडेर्ना के परीक्षण से काफी पहले ही अपना परीक्षण शुरू कर दिया था।

वैक्सीन का ट्रायल दूसरे फेज में, बच्चों और बुजुर्गों में होगी जांच, भारत को हैं उम्मीदें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। कोरोना वायरस के बढ़ते मरीजों के बीच एक खुशखबरी है। कोरोना वायरस के इलाज के लिए ब्रिटेन में जिस वैक्सीन का ट्रायल हो रहा है, वह अब दूसरे फेज में पहुंच गया है। इस फेज में वैक्सीन का ट्रायल इंसानों पर शुरू हो गया है। इस एक्सपेरिमेंट के सफल होने पर इसे 10 हजार से अधिक लोगों को लगाने की तैयारी की जा रही है। भारत ने भी इस वैक्सीन के ट्रायल के 80 फीसदी सफल होने की उम्मीद जताई है। बता दें कि पिछले महीने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के रिसर्चर ने वैक्सीन का प्रभाव और सुरक्षा की जांच करने के लिए एक हजार से अधिक वॉलनटिअर्स पर इसका ट्रायल किया था। वैज्ञानिकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि अब उनकी प्लानिंग पूरे ब्रिटेन में बच्चों और बुजुर्गों समेत 10,260 लोगों पर इस वैक्सीन के ट्रायल की है।

2 महीने बाद मिलने पर कैसे गले मिलकर रोया मालिक और गधा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मैड्रिड। कोरोना वायरस ने भयंकर सामजिक संकट पैदा कर दिया है। जान पर संकट पर बनकर छाए इस वायरस से बचने के लिए लोगों को सामाजिक दूरी बरतनी पड़ रही है और यह दूरी लोगों को अपनों से दूर कर रही है। स्पेन में जब पाबंदियां हटनी शुरू हुईं तो लोग अपनोंसे मिलकर काफी भावुक दिखे। यहां तक कि अपने पालतू जानवरों से मिलकर भी रो पड़े। स्पेन में कई दिनों के लॉकडाउन के बाद एक शख्स अपने पालतू गधे से मिल पाया और मुलाकात के दौरान दोनों के आंखों से आंसू निकल रहे थे। दोनों करीब दो महीने से नहीं मिल पाए थे। इस्माइल फर्नांडिस नाम के इस शख्स ने पाबंदियों में छूट मिलते ही सबसे पहले अपने फार्म हाउस का दौरा किया। जहां उन्होंने अपने भाई और पालतू गधे से भी मुलाकात की। गधा उन्हें देखकर रोने जैसी आवाज भी निकालने लगा। फर्नांडिस ने जैसे ही अपने फार्म पहुंचे उन्होंने गधे बाल्डो को आवाज दी। गधा आवाज सुनते ही दौड़कर उनके पास आया। और वह जैसे ही उसे पुचकारने लगे, वह जोर–जोर से रोने लगा।

लद्दाख पर यूं नहीं चीनी ड्रैगन की नापाक नजर

गतिरोध

पहाड़ों में छिपा है यूरेनियम और सोने का अकूत भंडार!

■चीनी सैनिक पैंगोंग सो झील से सटे फिंगर एरिया में कई रणनीतिक बंकर बना रहे हैं

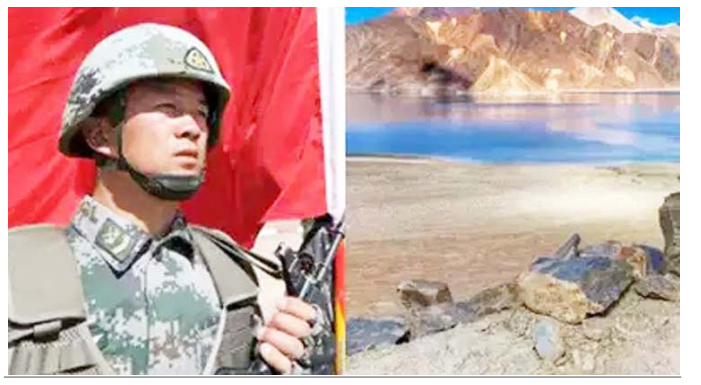

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग/लद्दाख। भारत और चीन के बीच लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गतिरोध काफी गहरा गया है। चीनी सेना के हजारों सैनिक गलवान रिजन में 3 स्थानों पर भारतीय इलाके में घुस आए हैं। चीनी सैनिक पैंगोंग सो झील से सटे फिंगर एरिया में बंकर बना रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चीनी सैनिक न केवल सामरिक उद्देश्य से बल्कि एक और बेहद खास उद्देश्य से भारत को भारतीय क्षेत्र में ही सड़क बनाने से रोक रहा है।

दरअसल, लद्दाख यूरेनियम, ग्रेनाइट, सोने और रेअर अर्थ जैसी बहुमूल्य धातुओं से भरा हुआ है। प्राचीन काल में 10 हजार ऊंटों और घोड़ों के जरिए लद्दाख के रास्ते चीन से व्यापार होता था। लेह के रास्ते ये ऊंट और घोड़े चीन के यारकंद, सिनकिआंग और तिब्बत की राजधानी ल्हासा तक जाते थे। इस दौरान दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर व्यापार होता था।

लद्दाख के गलवान रिजन में जिस जगह पर भारत और चीन के बीच यह विवाद चल रहा है, उसके ठीक बगल में स्थित गोगरा पोस्ट के पास गोल्डेन माउंटेन है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों की वजह से इस इलाके में अभी ज्यादा सर्वे नहीं हुआ लेकिन माना जाता है कि यहां सोने समेत कई बहुमूल्य धातुएं छिपी हुई हैं। यही नहीं लद्दाख के कई इलाकों में उच्च गुणवत्ता वाले यूरेनियम के भंडार मिले हैं। इससे न केवल परमाणु बिजली बनाई जा सकती है, बल्कि परमाणु बम भी बनाए जा सकते हैं।

लद्दाख की चट्टान में सबसे ज्यादा यूरेनियमः वर्ष 2007 में जर्मनी की प्रयोगशाला में चट्टानों के नमूनों की जांच में खुलासा हुआ था कि 5.36 प्रतिशत यूरेनियम मिला था। यह पूरे देश में अन्य जगहों से मिले यूरेनियम से ज्यादा है। लद्दाख भारतीय और एशियाई प्लेट के बीच में स्थित है। यही पर 50 से 60 मिलियन साल पहले दोनों प्लेटों के बीच टक्कर के बाद हिमालय का निर्माण हुआ था। इसी उभरी लद्दाख की चट्टान को भूगर्भविज्ञानी खनिज पदार्थों से समृद्ध बनाते हैं।

इन्हीं पहाड़ों के बीच यूरेनियम के भंडार मिले थे। भूगर्भ विज्ञानियों के मुताबिक यूरेनियम से भरी लद्दाख की चट्टान अन्य जगहों के मुकाबले बहुत नयी है। ये 100 से लेकर 25 मिलियन साल पुरानी है। भारत में इस तरह की यूरेनियम से भरी चट्टानें आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड में पाई जाती हैं लेकिन वे 2500 से लेकर 3000 मिलियन साल पुरानी हैं। चीन के नियंत्रण वाले इलाके से सटे नूब्रा–श्योक नदी घाटी में स्थित उदमारु गांव से यह यूरेनियम से भरी ग्रेनाइट की चट्टान शोध के लिए जर्मनी ले जाई गई थी।

रूस से आगे निकला ब्राजील, 30 घंटे तक पड़ी रही लाश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रासीलिया। कोरोना वायरस के प्रकोप बेहाल ब्राजील अब रूस को पीछे छोड़ते हुए कोविड–19 महामारी से संक्रमित लोगों के मामलों में दूसरे नंबर पहुंच गया है। ब्राजील में हालात इतने खराब हैं कि सड़क पर 30 घंटे तक लाश पड़ी रही लेकिन उसे उठाने कोई नहीं आया। ब्राजील में शुक्रवार को 20,803 नए मामले सामने आए जिससे कुल संक्रमित लोगों की संख्या अब बढ़कर 3,30,890 हो गई है।

रियो डी जेनेरो शहर में 62 वर्षीय वलनिअर डी सिल्वा की कोरोना वायरस से मौत हो गई लेकिन शव को कार पार्किंग के बीच पाया गया। करीब 30 घंटे तक उनकी लाश पड़ी रही लेकिन उन्हें उठाने कोई नहीं आया। इस दौरान कई लोग वहां से गुजरे लेकिन किसी ने लाश की सुध नहीं ली। स्थानीय लोगों ने बताया कि जब सिल्वा को सांस लेने में दिक्कत हुई तो उन्होंने एंबुलेंस बुलाई थी लेकिन उनकी हालत बिगड़ती गई और मौत हो गई।

इसके बाद सिल्वा के साथ और भी ज्यादा बुरा हुआ। एंबुलेंस वालों ने उनकी लाश को सड़क पर रख दिया और चले गए। उनका कहना था कि यह उनकी जिम्मेदारी नहीं है कि लाशों को हटाए जाए। पुलिस विभाग ने कहा कि वह केवल आपराधिक मामलों में ही लाशों को हटाता है।

कराची प्लेन क्रैशः अब तक 97 की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान में हुए यात्री विमान क्रैश में अब तक 97 लोगों के मारे जाने की खबर है। इस विमान में 99 लोग सवार थे। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का एक यात्री विमान जिन्ना एयरपोर्ट के पास घनी आबादी वाले रिहाइशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। अधिकारियों के अनुसार, प्लेन क्रैश में अब तक 82 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं इस हादसे में 2 लोग बाल–बाल बच गए थे। बता दें कि एक हफ्ते पहले ही पाकिस्तान ने कोविड–19 के चलते हवाई उड़ानों से रोक हटाई थी। इस बीच विमान के क्रैश होने से ऐन पहले का वीडियो सामने आया है। वीडियो में प्लेन संकरी गली में नीचे जाता दिखता है और फिर उससे धुएं का गुबार उठता नजर आ रहा है।

बिहार की ज्योति की इवांका ट्रंप हुईं मुरीद, लेकिन इस वजह से हो गईं ट्रोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। भारत में लॉकडाउन लगे होने के कारण 15 साल की एक लड़की को घर पहुंचने के लिए 1200 किलोमीटर तक साइकल चलानी पड़ी। अब उसके इस जज्बे को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी ने भी सलाम किया है और उसका ट्रेनी के लिए ट्रायल कराने की साइकिलिंग फेडरेशन की पहल की भी तारीफ की है। लेकिन ट्विटर पर ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने इस लड़की को हुई तकलीफ का जिक्र न करने पर इवांका को ट्रोल कर दिया।

इवांका ने ट्वीट किया, 15 साल की ज्योति कुमारी अपने घायल पिता साइकल पर बिठाकर घर पहुंचाया। इसके लिए उसने सात दिनों में 1200 किलोमीटर की यात्रा तय की। इस सहनशीलता और प्यार ने भारत के लोगों और साइक्लिंग फेडरेशन का ध्यान अपनी तरफ खींचा है।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, ज्योति के पिता मोहन पासवान गुड़गांव में ऑटो चलाते थे और वह चोटिल हो गए थे जिस वजह से उनके पास आय का कोई साधन नहीं रहा। उन्हें ऑटो, मालिक को लौटाना पड़ा। इसके बाद पिता और बेटी ने एक साइकल खरीदी और फिर गुड़गांव से 10 मई को बिहार स्थित अपने गांव के लिए रवाना हुए और 16 मई को वे घर पहुंच गए।

इवांका ने ज्योति को लेकर जाहिर की और उधर ट्विटर पर उन्हें जवाब देने वालों की लाइन लग गई। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम ने लिखा, श्यह उत्कृष्टता का जौहर नहीं है। यह आपके दोस्त और होस्ट नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार के निर्दयी व्यवहार की वजह से पैदा हुई निराशा का जौहार है।

परमाणु बम के परीक्षण पर विचार कर रहे ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। चीन और रूस से बढ़ते खतरे के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करीब 28 साल बाद परमाणु बम परीक्षण पर विचार कर रहे हैं। अमेरिका ने अंतिम बार वर्ष 1992 में परमाणु परीक्षण किया था। परमाणु परीक्षण के संबंध शुक्रवार को अमेरिका के शीर्ष सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े लोगों ने चर्चा की थी। माना जा रहा है कि इस परीक्षण का मकसद अपने हथियारों की विश्वसनीयता को परखना और नए डिजाइन वाले हथियार बनाना है।

अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यदि अमेरिका ने मास्को और पेइचिंग को यह दिखा दिया कि वह तेजी से टेस्ट कर सकता है तो यह वार्ता के दौरान लाभदायक हो सकता है। अमेरिका हथियारों पर नियंत्रण के लिए रूस और चीन के साथ एक नई डील पर साइन करना चाहता है। अमेरिका के इस परमाणु का मुख्य मकसद अपने परमाणु बम के वर्तमान जखीरे की विश्वसनीयता को परखना या नए तरीके के परमाणु हथियार को बनाना है।